अध्याय - 16 | पानी की कहानी

QUIZ-01

1. 'पानी की कहानी' पाठ के लेखक हैं?

- A. नरोत्तम दास
B. प्रेमचंद
C. सूरदास
D. रामचंद्र तिवारी (D)

व्याख्या: 'पानी की कहानी' पाठ के लेखक रामचंद्र तिवारी हैं, जो पर्यावरण और विज्ञान विषयों पर सुंदर शैली में लिखते हैं।

2. लेखक की कलाई से हथेली पर आकर बूँद के कितने कण हो गए थे?

- A. तीन
B. दो
C. चार
D. पाँच (B)

व्याख्या: पाठ में वर्णित है कि बूँद हथेली पर आकर दो कणों में बँट गई थी।

3. पेड़ से गिरने वाली बूँद लेखक को निम्नलिखित में से कैसी लगी?

- A. सोने-सी
B. हीरे-सी
C. चाँदी-सी
D. मोती-सी (D)

व्याख्या: लेखक को वह बूँद अपनी चमक और सुंदरता के कारण मोती-सी प्रतीत हुई।

4. लेखक के हाथ पर बेर की झाड़ी से क्या गिरा?

- A. मोती-सी एक बूँद
B. बेर का पत्ता
C. बर्फ का टुकड़ा
D. टहनी (A)

व्याख्या: पाठ में बताया गया है कि लेखक के हाथ पर बेर की झाड़ी से मोती-सी एक बूँद गिरी थी।

5. 'बूँद तीन दिन तक कहाँ दुःख भोगती रही?

- A. जाल में फँसकर
B. पत्तियों पर
C. वायुमंडल में फँसकर
D. तने और पत्तियों के बीच फँसकर (D)

व्याख्या: पाठ के अनुसार, बूँद तीन दिन तक तने और पत्तियों के बीच फँसकर दुःख सहती रही।

6. बूँद को बाहर निकलने का रास्ता कहाँ से मिला?

- A. पत्तियों के छिद्र से
B. जड़ के रोयें से
C. तने के छिद्र से
D. फूलों की पंखुड़ियों से (A)

व्याख्या: बूँद को बाहर निकलने का रास्ता पत्तियों के छिद्रों से मिला, जो पौधे के वाष्पोत्सर्जन प्रक्रिया से जुड़ा है।

7. 'बूँद प्रारंभिक अवस्था में किस रूप में थी?

- A. बर्फ के रूप में
B. सागर के रूप में
C. वाष्प के रूप में
D. पानी के रूप में (C)

व्याख्या: शुरुआत में बूँद वाष्प के रूप में थी, जो बाद में संघनित होकर जल में परिवर्तित हुई।

8. 'निरा नमक' कहाँ भरा हुआ है?

- A. पानी में
B. कुए में
C. तालाब में
D. समुद्र में (D)

व्याख्या: पाठ में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि समुद्र निरा नमक भरा हुआ है।

9. बूँद के हथेली पर पड़ते ही लेखक को किस तरह की ध्वनि सुनाई पड़ी?

- A. वीणा के तारों-सी
B. गिटार के तारों-सी
C. सितार के तारों-सी
D. वायलिन के तारों-सी (C)

व्याख्या: लेखक को बूँद के हथेली पर पड़ते ही "सितार के तारों-सी झंकार" सुनाई पड़ी।

10. 'साँसत' शब्द का अर्थ _____ है?

- A. सहारा
B. सांस
C. कष्ट
D. इनमें से कोई नहीं (C)

व्याख्या: हिंदी में 'साँसत' शब्द का अर्थ होता है - परेशानी या कष्ट। यह शब्द बूँद के संघर्ष को दर्शाता है।